4/41

2404E358

Candidate's Seat No : _____

MA Sem.-3 Examination
504 - (EA)
Hindi
April-2025

Time : 2-30 Hours] **[Max. Marks : 70**

प्रश्न - 1 दलित साहित्य की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। (14)

अथवा

दलित साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए।

प्रश्न - 2 दलित सौन्दर्यशास्त्र के लक्षण उद्‌घाटित कीजिए। (14)

अथवा

दलित सौन्दर्यशास्त्र के सैद्धांतिक आधारों की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न - 3 'सलाम' कहानी संग्रह दलित जीवन की त्रासदी को व्यक्त करता है, सिद्ध कीजिए। (14)

अथवा

दलित सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से 'सलाम' का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न - 4 दलित सौन्दर्यशास्त्र के आधार पर 'मिस रमिया' की समीक्षा कीजिए। (14)

अथवा

दलित चेतना के सन्दर्भ में 'मिस रमिया' का महत्त्व निरूपित कीजिए।

प्रश्न - 5 दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर किन्हीं **सात** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (14)

1. दलित लेखन का प्रारंभ सर्वप्रथम किस भारतीय भाषा में सशक्त रूप से हुआ?
   (A) गुजराती (B) मराठी (C) हिंदी (D) बंगाली

2. इनमें से कौन दलित साहित्य लेखन के प्रेरणास्रोत नहीं हैं?
   (A) बुद्ध (B) ज्योतिबा फुले (C) डॉ. अम्बेडकर (D) गांधीजी

3. नामदेव ढसाळ किस भाषा के सर्जक हैं?
   (A) मराठी (B) गुजराती (C) हिन्दी (D) पंजाबी

4. इनमें से दलित साहित्य की प्रमुख विशेषता क्या नहीं है?
   (A) विद्रोह (B) अस्वीकार (C) बेचैनी (D) भाग्यवाद

5. दलित साहित्य किस समाज-व्यवस्था की पैरवी करता है?
   (A) पूंजीवादी (B) राष्ट्रवादी (C) हिंसावादी (D) समतावादी

6. दलित सौन्दर्यशास्त्र के केंद्र में क्या है?
   (A) मानवीय अधिकार (B) प्रभुत्व (C) वर्चस्व (D) ऐश्वर्य

P. T. O.

7. 'जूठन' आत्मकथा के कितने भाग प्रकाशित हैं?

(A) एक (B) दो (C) तीन (D) पाँच

8. 'सलाम' में कुल कितनी कहानियाँ संकलित हैं?

(A) सत्रह (B) सोलह (C) चौदह (D) तेरह

9. 'बैल की खाल' किसकी रचना है?

(A) सूरजपाल चौहान (B) हरपालसिंह 'अरुष' (C) कावेरी (D) ओमप्रकाश वाल्मीकि

10. 'द्रोणाचार्य एक नहीं' कहानी-संग्रह के सर्जक कौन हैं?

(A) ओमप्रकाश वाल्मीकि (B) सुशीला टाकभौरे (C) जयप्रकाश कर्दम (D) कावेरी

11. श्यामली किस रचना का चरित्र है?

(A) मिस रमिया (B) दोहरा अभिशाप (C) सलाम (D) इनमें से एक भी नहीं

12. 'टुकड़ा-टुकड़ा जीवन' किसकी आत्मकथा है?

(A) कावेरी (B) ओमप्रकाश वाल्मीकि (C) कौशल्या बैसंत्री (D) कोई भी नहीं

/

2404E358-3

Candidate's Seat No :_____

M.A. Sem.-3 Examination

504-EB - Hindi

(महिला लेखन)

Time : 2-30 Hours] **April 2025** **[Max. Marks : 70**

१ नारीवादी साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। १४

अथवा

१ साहित्य के संदर्भ में नारी विमर्श एवं नारीवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। १४

२ हिन्दी महिला लेखन के इतिहास की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। १४

अथवा

२ इक्कीसवीं सदी के महिला लेखन का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत कीजिए। १४

३ 'सेज पर संस्कृत उपन्यास में स्त्री-जीवन की सामाजिक आर्थिक विषमता को विस्तार दिया गया है।' - तर्कसंगत उत्तर दीजिए। १४

अथवा

३ 'सेज पर संस्कृत-नारी की आंतरिक पीडा का बडा ही मार्मिक विश्लेषण करता है।'- सोदाहरण समझाइए। १४

४ 'दस द्वारे का पींजरा' नारी-जीवन की संघर्ष-गाथा है जो स्त्री विमर्श की परत-दर-परत खोलते हुए एक कोलाज बनाता है।-कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए। १४

अथवा

४ 'दस द्वारे का पींजरा' उपन्यास में निरूपित नारी जीवन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए। १४

५ उचित विकल्प चुनकर किसी सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए : १४

(१) भारतीय संदर्भ में नारीवादी आंदोलन की शुरूआत यहाँसे मानी जाती है -

(क) १८५० (ख) १९४७ (ग) १९५० (घ) २००१

(२) नारी विमर्श का अर्थ है, महिलाओं के लिए -

(क) राजनीतिक समानता (ख) आर्थिक समानता (ग) सामाजिक समानता (घ) ईनमें से सभी

(३) नारीवादी चिंतन के मुख्य प्रकार -

(क) मार्क्सवादी (ख) सांस्कृतिक (ग) उदारवादी (घ) ईनमें से सभी

(४) स्वतंत्रता पूर्व महिला महिला रचनाकार है -

(क) उषा देवी मित्र (ख) सुभद्रा कुमारी चौहान (ग) महादेवी वर्मा (घ) ईनमें से सभी

(५) स्वातंत्र्योत्तर महिला लेखन में अग्रगण्य है -

(क) मन्नू भंडारी (ख) मृदुला गर्ग (ग) ममता कालिया (घ) ईनमें से सभी

[P.T.O.

(६) इक्कीसवी सदी के महिला लेखन की प्रमुख हस्ताक्षर -

(क) शिवानी (ख) शिवरानी देवी (ग) गीताश्री (घ) शशीप्रभा

(७) 'सेज पर संस्कृत' उपन्यास में किसकी जीवनस्थिति एवं संघर्ष का मार्मिक चित्रण है -

(क) हिरोइन (ख) डाक्टर (ग) साध्वी (घ) नर्स

(८) 'सेज पर संस्कृत' की नारी किसके चक्रव्यूह में फंसी है -

(क) धार्मिक आडम्बरों (ख) फिल्मी दुनिया (ग) देहव्यापार (घ) नशीले पदार्थ

(९) पूर्णिमा देवी का विश्वास है कि दुनिया रोटी तो देगी पर -

(क) खाने नहीं देगी (ख) धोती खींच लेगी (ग) बोटी नोच लेगी (घ) इज्जत लूट लेगी

(१०) 'दस द्वारे का पींजरा' में इस जगह की स्त्री की व्यथाकथा है -

(क) रेलवे स्टेशन (ख) स्वास्थ्य केन्द्रो (ग) शिक्षण संस्थाओं (घ) चकलाघरों.

(११) 'दस द्वारे का पींजरा' में सूत्रधार का किरदार निभानेवाला -

(क) जोरावर सिंह (ख) महेन्द्र मिश्र (ग) लोहासिंह (घ) धर्मराज

(१२) 'दस द्वारे का पींजरा' उपन्यास कितने खंडों में विभाजित है -

(क) दो (ख) चार (ग) पांच (घ) आठ